

प्रेषक,

श्याम सिंह,
अनुसचिव
उत्तराखण्ड शासन ।

सेवा में,

निदेशक,
पर्यटन निदेशालय,
उत्तराखण्ड देहरादून।

पर्यटन अनुभाग:

देहरादून दिनांक 13 फरवरी, 2009

विषय: वित्तीय वर्ष 2008-09 में पर्यटन विकास की नई योजनाओं हेतु धनराशि की स्वीकृति विषयक।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-308/2-6-537/2008-09, दिनांक 10 दिसम्बर, 2008 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2008-09 में पर्यटन विकास की निम्नलिखित योजनाओं हेतु रु० 29.87 लाख के आगणनों पर तकनीकी प्रकोष्ठ द्वारा परीक्षणोपरान्त संस्तुत रु० 29.74 लाख (रुपये उन्नीस लाख चौहत्तर हजार मात्र) की लागत के आगणन पर प्रशासनिक/वित्तीय स्वीकृति प्रदान करते हुए इसके विपरीत रु० 14.00 लाख (रुपये चौदह लाख मात्र) की धनराशि को व्यय करने की श्री राज्यपाल महोदय सार्ध स्विकृति प्रदान करते हैं:-

(धनराशि लाख रुपये में)

क्र० सं०	जनपद/योजना का नाम	आगणन की लागत	टी०ए०सी० द्वारा संस्तुत धनराशि	वित्तीय वर्ष 2008-09 में स्वीकृत की जा रही धनराशि
1	2	3	4	5
	जनपद-अल्मोड़ा-विधानसभा क्षेत्र द्वाराहाट			
1	बिल्लेश्वर महादेव परिसर का सौन्दर्यीकरण/पुलिया का निर्माण, वि०ख०-द्वाराहाट	11.54	11.41	5.00
2	अग्नेरी मंदिर के सामने रामगंगा तट पर पार्क/फील्ड का निर्माण, वि०ख०-चौखुटिया	5.93	5.93	3.00
	जनपद-उत्तरकाशी-विधानसभा क्षेत्र यमुनोत्री			
3	मरगांव नगल में शिव गुफा का सौन्दर्यीकरण (प्रकटेश्वर महादेव)	12.40	12.40	6.00
	महायोग :-	29.87	29.74	14.00

2- उक्त स्वीकृत धनराशि इस प्रतिबन्ध के साथ स्वीकृत की जाती है कि मितव्ययी मदों में आवंटित सीमा तक ही व्यय सीमित रखा जाय। यहां यह भी स्पष्ट किया जाता है कि धनराशि का आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता जिसे व्यय करने के हेतु पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक है ऐसा व्यय सम्बन्धिता की स्वीकृति प्राप्त कर ही किया जाना चाहिये। व्यय में मितव्ययता नितान्त आवश्यक है। व्यय करते समय मितव्ययता के सम्बन्ध में समय-समय पर जारी किये गये शासनादेशों में उल्लिखित निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।

3- कार्य करने से पूर्व मदवार दर विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियंता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरों के आधार पर तथा जो दरें शेड्यूल ऑफ रेट्स में स्वीकृत नहीं हैं, अथवा बाजार भाव से ली गयी हों, की स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियंता से अनुमोदन करना आवश्यक होगा।

4- कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी आवश्यक होगी।

5- कार्य पर उतना ही व्यय किया जाये जितनी राशि स्वीकृत की गयी है। स्वीकृत धनराशि से अधिक व्यय कदापि न किया जाए।

6- एक मुश्त प्राविधानों को कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन गठित कर सक्षम अधिकारी से अनुमोदन प्राप्त कर लिया जाए।

- 7- कार्य करने से पूर्व समस्त औपचारिकतायें तकनीकी दृष्टि को मध्यनजर रखते हुए एवं लो0न0वि0 द्वारा प्रचलित दसों/विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्य को सम्पादित करना सुनिश्चित करें।
- 8- निर्माण सामग्री कय करने से पूर्व मानकों एवं उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली 2008 का कड़ाई से पालन किया जाए।
- 9- कार्य करने से पूर्व उच्चाधिकारियों एवं भूगर्भवेत्ता से कार्य स्थल का भली-भाँती निरीक्षण अवश्य करा लिया जाए तथा निरीक्षण के पश्चात दिये गये निर्देशों के अनुरूप ही कार्य कराया जाए।
- 10- निर्माण सामग्री को उपयोग में लाने से पूर्व सामग्री का परीक्षण प्रयोगशाला से अवश्य करा लिया जाए तथा उपयुक्त सामग्री को ही प्रयोग में लाया जाए।
- 11- मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या-2047/XIV-219(2006), दिनांक 30 मई, 2006 द्वारा निर्गत आदेशों का कार्य कराते समय या आगमन गठित करते समय कड़ाई से पालन करने का कष्ट करें।
- 12- स्वीकृत की जा रही धनराशि का उपयोग 31 मार्च, 2009 तक पूर्ण कर उपयोगिता प्रमाण पत्र शासन को उपलब्ध कराया जायेगा, उक्त विवरण व टैन्डर में एल-1 का विवरण प्रस्तुत किये जाने के बाद ही अवशेष धनराशि का प्रस्ताव किया जायेगा।
- 13- वर्ष के अंत में यदि निर्माण इकाई के पास धनराशि अवशेष बचती है तो उसे राजकोष में जमा कराया जायेगा तथा अवशेष धनराशि को निर्माण इकाई के खाते में जमा रखने की अनुमति नहीं होगी।
- 14- कार्य की गुणवत्ता एवं समयबद्धता हेतु सम्बन्धित निर्माण एजेन्सी पूर्ण रूप से उत्तदायी होगी और कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व शासनादेश संख्या-475/XXVII(7)/2008, दिनांक 15 दिसम्बर, 2008 की व्यवस्थानुसार कार्यदायी संस्था से मानक अनुबन्ध भी निष्पादन किया जाना सुनिश्चित कर लिया जायेगा।
- 15- उपरोक्त व्यय वर्तमान वित्तीय वर्ष 2008-09 के अनुदान संख्या-26 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक 5452-पर्यटन पूँजीगत परिव्यय-80-सामान्य-आयोजनागत-104-सम्बर्द्धन तथा प्रचार-04-राज्य सेक्टर-49-पर्यटन विकास की नई योजनाएँ-24-वृहत निर्माण कार्य मद के नामे डाला जायेगा।
- 16- उपरोक्त आदेश वित्त विभाग के अ0शा0सं0-984/XXVII(2)/2008, दिनांक 05 फरवरी, 2009 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(श्याम सिंह)
अनुसचिव।

संख्या- 33 /VI/2009-3(3)2008 टी0सी0 III तददिनांक।

- 1- महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, उत्तराखण्ड देहरादून।
- 2- वरिष्ठ कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
- 3- आयुक्त, गढ़वाल/कुमाऊँ मण्डल।
- 4- जिलाधिकारी, अल्मोड़ा, उत्तरकाशी।
- 5- निजी सचिव, मा0 मुख्यमंत्री जी, उत्तराखण्ड शासन।
- 6- निजी सचिव, मा0 पर्यटन मंत्री जी, उत्तराखण्ड शासन।
- 7- वित्त अनुभाग-2
- 8- श्री एल0एम0पन्त, सचिव, वित्त विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
- 9- अपर सचिव, नियोजन विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
- 10- जिला पर्यटन विकास अधिकारी, अल्मोड़ा, उत्तरकाशी।
- 11- एन0आई0सी0, उत्तराखण्ड सचिवालय परिसर।
- 12- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(श्याम सिंह)
अनुसचिव।